विद्या आश्रम न्यास समिति की बैठक (17 मार्च 2024) में प्रस्तुत

विद्या आश्रम के कार्य
वर्ष 2023-24

-चित्रा सहस्रबुद्धे
समन्वयक, विद्या आश्रम
1 मार्च 2024

इस वर्ष के प्रमुख कार्यों को संक्षेप में निम्नलिखित बिन्दुओं में प्रस्तुत किया गया है.

1. **विद्या आश्रम की पहचान** अब एक ऐसे **विमर्श स्थान** के रूप में हो चुकी है, जहाँ बहुजन समाज, जिसे हम लोकविद्या-समाज या स्वदेशी-समाज के नाम से जानते हैं, की शक्तियों को ऊर्जावान बनाने की दिशा में विचार और कार्य होता है. सामान्य लोगों की नैतिक और परिवर्तनकारी शक्तियों को उजागर करने का काम होता है. स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के मिलने का एक स्थान विद्या आश्रम बन गया है.
2. **चिंतन, दर्शन और विचार की दृष्टि से इस वर्ष में 'परिवर्तन विमर्श', 'बहुजन का देश' और 'सभ्यता के निर्माता समाज'** जैसी शब्दावलियों के इर्द-गिर्द सघन वार्ताओं की प्रमुखता बनी. अंतर्राष्ट्रीय स्थितियों में अनेक देशों में दक्षिणपंथी राजनीतिक शक्तियों का सत्ता में आना, साम्राज्यवादी देशों द्वारा यूक्रेन-फिलिस्तीन-यमन जैसे देशों को युद्ध की आग में झोंकना, शक्तिशाली देशों द्वारा प्राचीन सभ्यताओं के हवाले साम्राज्य विस्तार के दावे बहस में लाना, प्रशासन तथा राजनीति में 'पहचान' के नए और गैर-बराबर मानकों का अघोषित बढ़ता इस्तेमाल और मनुष्य के विवेक और ज्ञान से तकनीकी को अधिक वरीयता देने का चलन बढ़ा है जिसके चलते बहस के दार्शनिक पक्षों का महत्त्व बढ़ा है तथा इसे विद्या आश्रम पर आयोजित चिंतन प्रक्रियाओं में देखा जा सकता है. देश में उठे किसान आन्दोलन के दूसरे चरण ने और जातीय जनगणना के मुद्दे ने स्वराज जैसी वितरित व्यवस्थाओं के बारे में सोचने की ज़रूरत को रेखांकित किया है. साथ ही वैचारिकी में कला पक्ष और कला दृष्टिकोण को शामिल करने की आवश्यकता महसूस की गई.
3. **अप्रैल माह में वाराणसी ज्ञान पंचायत कार्यक्रम** के तहत चलाये जा रहे **लोकनीति संवाद** के दूसरे चरण की शुरुआत करते हुए शहर के सामाजिक कार्यकर्त्ता और विविध कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों की वार्ता के वीडियों बनाने की शुरुआत हुई. लोकनीति संवाद प्रमुखतः वाराणसी शहर की व्यवस्था और नगर निगम की जिम्मेदारी विषय पर चलाया जा रहा है. सामान्य लोगों के ज्ञान, अनुभव और हुनर को शहर की व्यवस्थाओं को सही करने की भूमिका में उजागर करने का प्रयास है. इन साक्षात्कारों में ठेला-पटरी संगठन के नेता चिंतामणि सेठ, ऑटो चालक यूनियन के नेता जुबेर खान, पसमांदा समाज को संगठित करने वाले अमान अख्तर, दीनापुर गाँव के अध्यापक और राजभर समाज के चिन्तक शिवमूरत राजभर, सरायमोहना गाँव के पूर्व प्रधान वीरेंदर साहनी, माँ गंगाजी सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद साहनी, युवा सामाजिक कार्यकर्त्ताओं में धनंजय सुग्गू, अनूप श्रमिक और मनीष शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र प्रताप सिंह, नट समुदाय के नेता प्रेम नट प्रमुख रहे. नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मियों की बस्ती में जाकर स्त्री-पुरुषों के साक्षात्कार भी शामिल हैं. बनवासियों (मुसहर) की बस्तियों को शहर से बाहर खदेड़ा जा रहा है. एक ऐसी ही बस्ती के लोगों के साथ वार्ता की गई है. इस कार्य में हरिश्चंद्र,फज़लुर्रहमान, लक्ष्मण प्रसाद और रामजनम ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया.
4. लोकनीति संवाद के साथ-साथ **वार्ड ज्ञान पंचायतें** बनाने की ओर हम बढे हैं. वाराणसी ज्ञान पंचायत की पत्रिका **'सुर साधना'** के अब तक कुल 5 अंक इसी विषय के लिए समर्पित रहे हैं और अब अंक 6 की तैयारी है. दिसंबर 2023 में वार्ड सलारपुर और वार्ड जलालीपुरा में वार्ड ज्ञान पंचायत बनाने की बैठके भी हो गई हैं. इन बैठकों में ज्ञान पंचायत की भूमिका पर विस्तार से चर्चा होती है. लोकसभा चुनावों की घोषणा ने इस कार्यक्रम को थोडा आगे धकेल दिया.
5. 3 जून, 2024 को **कबीर जयंती** की पूर्व संध्या पर **दर्शन अखाड़ा** की ओर से रविदास मंदिर राजघाट के सामने एक ज्ञान पंचायत का आयोजन किया गया. विषय था – **'अमरपुरी, बेगमपुरा, कल्याणपुरी और स्वराज'**. विमर्श का मुख्य बिंदु यह रहा कि समाज संगठन और राजसत्ता के बारे में हमारे संतों के दर्शन में, खास तौर पर कबीर के दर्शन में, हमें क्या संकेत मिलते हैं. ज्ञान पंचायत में स्वराज अभियान के रामजनम ने विषय को खोला, और इसके बाद डॉ. मुनीज़ा खान, चित्रा सहस्रबुद्धे, हरिश्चंद्र बिन्द, फ़ज़लुर्रहमान अंसारी, शिवमूरत मास्टर, लक्ष्मण प्रसाद, एडवोकेट अब्दुल्ला, एडवोकेट सुरेन्द्र ने अपनी बात रखी. अध्यक्षता सुनील सहस्रबुद्धे और सञ्चालन पारमिता ने किया.

6. **कबीर जन्मोत्सव कार्यक्रम** के (4 जून से 11 जून 2024) जरिये लोकविद्या जन आन्दोलन ने वाराणसी और वाराणसी से बाहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शहर के विविध नौ इलाकों में सामान्य लोगों के बीच कबीर के दर्शन की प्रासंगिकता और परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर किया. सत्य, न्याय, भाईचारा और प्रेम के मूल्यों की पुनर्स्थापना के साथ समाज संगठन और सञ्चालन के उन बिन्दुओं की पहचान करने की कोशिश की गई, जो सामान्य लोगों के ज्ञान की पहल और गुणवत्ता को बराबर का सम्मान और दर्जा दें.
7. लोकविद्या जन आन्दोलन के मार्फ़त लक्ष्मण प्रसाद के नेतृत्व में **संयुक्त किसान मोर्चा** और भारतीय किसान यूनियन की गतिविधियों में लोकविद्या आन्दोलन की सक्रिय भागीदारी बनती रही. आश्रम और गाँवों में किसानों की ज्ञान पंचायतों का आयोजन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बना है, जिसमें कमलेश और कृष्णकुमार गुप्ता निरंतर साथ रहे हैं. इस वर्ष यूनियन के पदाधिकारियों का भी चुनाव हुआ, जिसमें इन तीनों को ज़म्मेदारी के पदों पर रखा गया है. 6 जून 2023 को आश्रम पर एक बड़ी ज्ञान पंचायत हुई.
8. 1 अगस्त 2023 को **विद्या आश्रम के स्थापना दिवस** के अवसर पर आश्रम से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ताओं ने एक ज्ञान पंचायत आयोजित की. विनोद चौबे की अध्यक्षता में समाज में विद्या आश्रम की भूमिका और लोकविद्या जनांदोलन के कार्यों पर वक्ताओं ने अपनी बात रखी. लक्ष्मण प्रसाद ने सञ्चालन किया.
9. **सोशल मीडिया** पर अपनी सक्रियता बढ़ी है. विद्या आश्रम और लोकविद्या जन आन्दोलन के तहत चल रही लगभग सभी गतिविधियों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का प्रयास रहा है. फिलहाल दो फेसबुक अकाउंट हैं. एक, सुनील सहस्रबुद्धे के नाम से और दूसरा, कारीगर नजरिया के नाम से. सुनीलजी के फेसबुक अकाउंट से ही वाराणसी ज्ञान पंचायत, लोकविद्या जन आन्दोलन, दर्शन अखाडा और विद्या आश्रम के नाम से भी **अलग-अलग पेजेस हैं** जिसे हरिश्चंद्र और फ़ज़लुर्रहमान चलाते हैं. एक फेसबुक समूह **'नालेज डाइलाग इन सोसाइटी'** के नाम से भी बनाया गया है. ब्लॉग्स (www.lokavidyajanandolan.blogspot.com और www.darshanakhadablog.wordpress.com) और वेब साईट(www.vidyaashram.org) पर अधिक विस्तृत सामग्री है. वाराणसी के रामजी यादव का मीडिया चैनेल **'गाँव के लोग'** पर लोकविद्या विचार पर कुछ वीडयो बनाकर प्रसारित किये गए हैं.समाजवादी नेता सुनीलम ने सुनीलजी का एक साक्षात्कार लेकर लखनऊ से संगठित **'बहुजन संवाद'** से प्रसारित किया है.
10. इंदौर में संजीव दाजी के द्वारा **लोकविद्या समन्वय समूह** की ओर से कला के क्षेत्र में लोकविद्या आधारित प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ. नाट्य, संगीत, काव्य, चित्रकला, फिल्म, आदि विविध कलाओं की प्रस्तुतियों से समाज के बीच लोकविद्या संवाद को स्थापित करने का प्रयास किया है. लोकविद्या यात्राओं और सत्संगों के मार्फ़त लोकविद्या वार्ता को आकार देने के आयोजन किये हैं. स्थानीय बाजारों को एक ऐसे जीवंत स्थान के रूप में देखने की कोशिश है, जहाँ लोकविद्या-समाज के लोग आपस में मिलते हैं, संवाद और सहयोग के रास्ते बनाते हैं, समस्याओं के हल खोजते हैं और साथ ही लोकविद्या का नवीनीकरण भी करते हैं. नागपुर और औरंगाबाद के पास के कुछ ऐसे ही बाज़ारों को इस खोज का आधार बनाया और इसे लोकविद्या समूह के बीच चर्चा के लिए रखा.
11. **लोकविद्या वार्ता के व्हाट्सएप्प समूह** की प्रत्येक मंगलवार को वार्ताएं चलती रहीं हैं. इन वार्ताओं को नागपुर से गिरीश संगठित करते हैं. इस वर्ष वार्ताओं में किसान आन्दोलन, स्वराज और वितरित सत्ता के मुद्दे विशेष स्थान लेते रहे. राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी वार्ताएं हुईं. इन वार्ताओं के कुछ आधारभूत पर्चे अब विद्या आश्रम की वेब साईट पर पढ़े जा सकते हैं. इन वार्ताओं का वीडियो और ऑडियो रिकॉर्ड गूगल ड्राइव पर रहता है जिसके लिंक गिरीश से प्राप्त किये जा सकते हैं.
12. **विद्या आश्रम की वेब साईट** का नवीनीकरण हुआ है. गिरीश इसे बना रहे हैं और अब वेब साईट बहुत सुन्दर, सहज और आकर्षक बन गई है. इसे हिंदी, मराठी और अंग्रेजी भाषाओं में पढ़ा जा सकता है.
13. **'बहुजन रिसर्च प्रोग्राम'** व्हाट्सएप्प लोकविद्या समूह पर चर्चा का विषय बना. वाराणसी और चंडीगढ़ में इस विषय पर बैठकें भी हुई और लोकविद्या व्हाट्सएप्प समूह पर लगातार कई सप्ताह बात चलाई गई. जे.के.सुरेश और जी.एस.आर. कृष्णन द्वारा संयुक्त पहल के तहत बंगलुरु से 'लोकविद्या-समाज रिसर्च कार्यक्रम' की एक व्यवस्थित योजना आकार ले रही है. यह रिसर्च लोकविद्या-समाज के अन्दर पिछले दो दशकों में हुए परिवर्तनों को रेखांकित करने की कोशिश हैं, जिसके तहत कर्णाटक में तकनीकी, राजनीतिक, सामाजिक आदि पक्षों में हुए परिवर्तन और लोकविद्या-समाज के अपने ज्ञान को सामने लाने का प्रयास रहेगा. इस दिशा में वाराणसी से पहल लेने की कोशिश भी है और इस सम्बन्ध में कुछ बैठकें भी हुई हैं. इसका एक प्रारूप तैयार करने की कोशिश है.

14. पिछले वर्ष **'देश बचाओ अभियान'** (संघर्ष वाहिनी, समाजवादी और वामपन्थी लोगों की मिलीजुली पहल) के तहत शुभमूर्ति, डॉ. आनंद कुमार, अखिलेन्द्र और वाराणसी के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं की दो दिवसीय बैठक विद्या आश्रम पर हुई और **शिक्षा पर एक जन आयोग समिति** के गठन में विद्या आश्रम को आमंत्रित किया गया. समिति का एक व्हाट्सएप्प समूह बना है और पिछले वर्ष से अभी तक इस समिति की दो-तीन बैठकें हुई हैं. इस जन आयोग को एक रिपोर्ट प्रकाशित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है. इस रिपोर्ट के लिए लोकविद्या दृष्टिकोण से शिक्षा के संगठन का नजरिया पेश करने की हमारी कोशिश है. चित्रा जी द्वारा एक आधारभूत परचा लिखकर इन बैठकों में प्रस्तुत किया है, जो यहाँ संलग्न है. जन आयोग की रिपोर्ट के लिए इस पर आधारित लेख अप्रैल माह तक भेजा जाना है.
15. **प्रकाशन** के क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य हुए हैं
    - **'सुर साधना'** के अब तक 5 अंक प्रकाशित हो चुके हैं.
    - **स्वराज पुस्तक माला** के लिए सामग्री के संकलन का कार्य जारी है.
    - हाल ही में 15-19 फरवरी 2024 में काठमांडू, नेपाल में होने जा रहे **विश्व सामाजिक मंच** में लोकविद्या जन आन्दोलन की ओर से एक युवा समूह शामिल हुआ. इस अवसर पर 'सबकी आय पक्की, नियमित ...' का अंग्रेजी संस्करण तैयार किया गया.
16. **विश्व सामाजिक मंच काठमांडू,** नेपाल 2024 में लोकविद्या जन आन्दोलन की ओर से छः सदस्यों का एक समूह भागीदार हुआ और वहां एक कार्यशाला का आयोजन कर तथा लोकविद्या साहित्य का एक स्टाल लगा कर लोकविद्या पर सघन वार्ता का वाहक बना. सम्मलेन के अंतिम दिन दूसरी दुनिया का ज्ञान आधार लोकविद्या में ही है इस बात का समूह ने दावा पेश किया. इस आयोजन में भागीदारी की रपट जल्दी ही प्रकाशित की जाएगी.
17. विद्या आश्रम ने **अन्य सामाजिक संगठनों** के साथ मिलकर कार्य करने की दिशा में भी कदम बढाये हैं. स्थानीय संगठनों में भारतीय किसान यूनियन, संयुक्त किसान मोर्चा, साझा संस्कृति मंच, लोक समिति, दखल, स्वराज अभियान, बुनकर साझा मंच, देश बचाओ, जन अभियान, शोषित समाज आदि प्रमुख हैं.
18. विद्या आश्रम न्यास और कार्यकारिणी के सदस्य अभिजित मित्र पिछले साल से **कोलकाता** में रहते हैं. कोलकाता के सामाजिक संगठनों के साथ उनकी वार्ता गति ले रही है. इन वार्ताओं में वे लोकविद्या के पक्ष को सामने लाते हैं.
19. **पीपीएसटी** समूह के कुछ साथियों ने चेन्नई से **'जर्नल फॉर डायलाग ऑन नालेज इन सोसायटी'** नाम की पत्रिका का ऑनलाइन प्रकाशन शुरू किया है. विद्या आश्रम से सुनील सहस्रबुद्धे, जी.एस.आर. कृष्णन और जे.के. सुरेश इसमें सहयोगी हैं.
20. **कार्यकर्त्ता कल्याण** में शिक्षा के लिए तीन युवाओं(दो छात्र और छात्रा) को सहयोग किया गया. तीनों ही युवा बी.ए. के छात्र हैं और उन्हें डिग्री हासिल करने तक सहयोग किया जाना है. इस वर्ष एक ने डीग्री हासिल की है. दूसरे का अंतिम वर्ष हैं और तीसरे छात्र का यह प्रथम वर्ष है. यह सहयोग मूलतः कालेज में प्रवेश शुल्क, परीक्षा शुल्क और पुस्तकों के लिए हुआ है. आश्रमवासी बच्चों की विद्यालय की फ़ीस, पुस्तक-कापी, यूनिफार्म और ट्यूशन के लिए सहयोग किया गया है. कार्यकर्ताओं और उनके निकट परिवार की चिकित्सा में आंशिक सहयोग भी होता रहा है.
21. **आश्रम में आने वाले अतिथियों** में इस वर्ष प्रमुखतः चेन्नई से 'जर्नल फॉर डायलाग ऑन नालेज इन सोसायटी' के संपादक डॉ. सी.एन. कृष्णन और स्वराज अभियान से डॉ. आनंद कुमार आयें. विद्या आश्रम न्यास और कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. नरेश शर्मा हैदराबाद से और डॉ. गिरीश सहस्रबुद्धे नागपुर से आये. विद्या आश्रम के सहयोगी हर्षद और नीरजा भी आये. इन सभी लोगों के आने से आश्रम के वैचारिक और व्यवहारिक कार्यों को गति मिली.
22. **विद्या आश्रम न्यास में** इस वर्ष दो सदस्य शामिल किया गए -डॉ. रामकृष्ण गाँधी और किसान नेता श्री विजय जावंधिया. दोनों ही विद्या आश्रम समूह के वर्षों से सहयोगी रहे हैं.
23. इस वर्ष **विद्या आश्रम कार्यकारिणी** की दो बैठकें हुईं. एक, 18अप्रैल 2023 को और दूसरी 28 जनवरी 2024 को.
24. **वित्त** के बारे में यह कि इस वर्ष फरवरी 2024 के अंत तक रु. 8,41,099.00 खर्च हो चुके हैं और रु. 9,75,000 अनुदान के रूप में मिले हैं. वित्तीय वर्ष 2022-23 की ऑडिट रिपोर्ट बन गई है.

25. **आश्रम की व्यवस्था** में फिलहाल यह कि वाराणसी विकास योजनाओं के तहत विद्या आश्रम की भौतिक स्थिति भवन और परिसर, कितने दिनों तक बनी रहेगी इसकी कोई स्पष्ट सूचना नहीं है. आश्रम की रोज़मर्रा की व्यवस्था को प्रमुखतः प्रभावतीजी, कमलेश कुमार,अंजू देवी चलाते हैं. इसमें आश्रम और आश्रम के बाहर होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों की व्यवस्था करना और सहभागी होना, अतिथियों और भागीदारों के भोजन और रहने की व्यवस्था करना है. प्रेमलताजी, लक्ष्मण प्रसाद, एहसान भाई के साथ वार्ता में रहते हुए ये कार्य होते हैं, जिसमें भवन और परिसर की देखभाल और सफाई, बिजली और अन्य उपकरणों का रखरखाव तथा सरकारी विभागों से संपर्क का कार्य भी शामिल है. अलीम भाई और विनोद चौबे विशेष कार्यों में सहयोग के लिए आते रहते हैं. लोकविद्या जन आन्दोलन के साथी साप्ताहिक बैठक में शामिल होकर कार्यों को तय करते हैं.

इस वर्ष की गतिविधियों के कुछ फोटो

कबीर जयंती के अवसर पर 3 जून 2023 को दर्शन अखाडा की ओर से आयोजित ज्ञान पंचायत

कबीर जन्मोत्सव समित के द्वारा आयोजित नाटी इमली में बैठक

गांधीजी की पुण्यतिथि 30 जनवरी 2024 को वाराणसी के सामाजिक संगठनों के साथ बेनिया बाग़ में सभा

6 जून 2023 को विद्या आश्रम पर किसान ज्ञान पंचायत

विद्या आश्रम पर वाराणसी के सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक

विश्व सामाजिक मंच काठमांडू, नेपाल(15-19 फरवरी 2024) में लोकविद्या जन आन्दोलन की टीम

विश्व सामाजिक मंच काठमांडू, नेपाल(15-19 फरवरी 2024) में लोकविद्या जन आन्दोलन का स्टाल

विश्व सामाजिक मंच काठमांडू, नेपाल(15-19 फरवरी 2024) में लोकविद्या जन आन्दोलन का स्टाल

विश्व सामाजिक मंच काठमांडू, नेपाल(15-19 फरवरी 2024) में
लोकविद्या जन आन्दोलन की कार्यशाला

18 फरवरी 2024 को विश्व सामाजिक मंच काठमांडू, नेपाल(15-19 फरवरी 2024) में
लोकविद्या जन आन्दोलन की कार्यशाला भागीदार